अध्याय पचंम

शोध सारांश

निष्कर्ष एंव सुझाव

अध्याय पचंम : शोध सांराश निष्कर्ष एंव सुझाव

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 परिकल्पना

5.5 शोध के प्रयुक्त चर

5.6 शोध की परिसीमाएँ

5.7 निष्कर्ष

5.8 सुझाव

अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एंव सुझाव

5.1 प्रस्तावना

प्रस्तुत अध्याय में अध्याय 4 मे किये गये प्रदत्तों के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर निष्कर्ष एंव सुझाव देने का प्रयास किया गया है।शोधकर्ता द्वारा विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति,लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबध के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष एंव सुझाव दिए गए है।

5.2 समस्या कथन :– कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति,लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबंध : एक अध्ययन

5.3 शोध के उद्देश्य :–

(1) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।

(2) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों की लैंगिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

(3) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बद्धि का अध्ययन करना।

(4) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों में सामाजिक आर्थिक स्थिति और लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

(5) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों में लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

(6) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों में सामाजिक आर्थिक स्थिति और संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

(7) कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों में सामाजिक आर्थिक स्थिति, लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

5.4 परिकल्पना

1. कक्षा 9वी के विद्यार्थियों की सामाजिक स्थिति एंव संवेगात्मक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक संबंध नही है।
2. कक्षा 9वी के विद्यार्थियों की सामाजिक स्थिति एंव लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
3. कक्षा 9वी के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एंव लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
4. कक्षा 9वी के विद्यार्थियों की सामाजिक स्थिति एंव संवेगात्मक बुद्धि और लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य कोई संबंध नहीं है।

5.5 शोध के प्रयुक्त चर

(1) स्वतंत्र चर :– सामाजिक आर्थिक स्थिति।

(2) आश्रित चर :– लैंगिक अभिवृत्ति, भावनात्मक बुद्धि

5.6 शोध की परिसीमाएँ

(1) प्रस्तुत अध्ययन केवल भोपाल जिले तक सीमित है।

(2) यह अध्ययन कक्षा 9 तक ही सीमित है।

(3) माध्यमिक स्तर तक ही सीमित है।

(4) यह अध्ययन दो विद्यालयों तक ही सीमित है।

(5) यह अध्ययन केवल केन्द्रीय एंव निजि विधालयों तक ही सीमित है।

5.7 निष्कर्ष

1 कक्षा 9 वी के विधार्थियो की सामाजिक आर्थिक स्थिति एंव संवेगात्मक बुध्दि के मध्य सार्थक सबंध नही है।

2 कक्षा 9 वी के विधार्थियो की सामाजिक आर्थिक स्थिति एंव लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सबंध है।

3 कक्षा 9 वी के विधार्थियो की संवेगात्मक बुध्दि एंव लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सबंध है।

4 कक्षा 9 वी के विधार्थियो की सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा संवेगात्मक बुध्दि एंव लैंगिक अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सबंध है।

5.8 भावी शोध हेतु सुझाव

1 प्रस्तुत अध्ययन केवल भोपाल जिले मे ही सम्पन्न किया गया है। आप किसी अन्य जिले मे इस शोध का अध्ययन कर सकते है।

2 केवल कक्षा 9 के विधार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुध्दि का अध्ययन किया गया है।

3 केवल माध्यमिक स्तर तक सिमित है इस शोध का अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर पर किया जा सकता

4 सरकारी एवं गैर सरकारी विधार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुध्दि के मध्य संबध का अध्ययन।

5 आदिवासी एवं गैर आदिवासी विधार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुध्दि के मध्य संबध का अध्ययन।

6 कस्तुरबा गांधी विधालय की छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं लैंगिक अभिवृत्ति और संवेगात्मक बुध्दि के मध्य संबध का अध्ययन।